भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1014
उत्तर देने की तारीख 10.02.2025

महाकुंभ में कलाग्राम

1014. श्री पी. सी. मोहन :
श्री प्रताप चंद्र षडङ्गी :
श्री भर्तृहरि महताब :
श्री जुगल किशोर :
डॉ. विनोद कुमार बिंद :
डॉ. राजेश मिश्रा :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अपनी सांस्कृतिक परम्पराओं और विविध विरासत के लिए विख्यात कलाग्राम किस प्रकार से सरकार के भारतीय विरासत के परिरक्षण और संवर्धन, विशेषकर कर्नाटक में, के व्यापक लक्ष्यों के अनुरूप है;

(ख) क्या कलाग्राम विशेषकर बंगलुरू अथवा कर्नाटक के अन्य स्थानों पर भावी महाकुंभ कार्यक्रमों अथवा इसी प्रकार के सांस्कृतिक समारोहों में आवर्ती विशेषता होगा और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का विशेषकर बंगलुरू सहित कर्नाटक में इन अनुभवों को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं हो सकने वाले श्रोताओं के लिए वर्चुअल रियलिटी के माध्यम से सुलभ बनाने का विचार है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ड.) मध्य प्रदेश के सीधी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में आईजीएनसीए, सीसीआरटी, जेडसीसी, एनएसडी और संगीत नाटक अकादमी द्वारा कितनी प्रशिक्षण कार्यशालाओं, रंगमंच उत्सवों, लोक कला उत्सवों और जनजातीय कला उत्सवों का आयोजन किया गया है अथवा भविष्य में किए जाने का विचार है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): संस्कृति मंत्रालय ने मंत्रालय के स्वायत्त संगठन, उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र (एनसीजेडसीसी) के माध्यम से महाकुंभ जिले के सेक्टर-VII में कलाग्राम नामक सांस्कृतिक ग्राम स्थापित किया गया है। कलाग्राम की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:

- मुख्य प्रवेशद्वार: 635 फीट चौड़े, 54 फीट ऊंचे, कला और आध्यात्मिकता के संगम रूपी इस द्वार पर 12 ज्योर्तिलिंगों और भगवान शिव द्वारा हलाहल पान करने की कथा चित्रित की गई है।
- चारधाम के थीम पर 104 फीट चौड़ा और 72 फीट गहरा एक मंच।
- कलाकार और प्रस्तुति: 14,632 कलाकार कलाग्राम सहित विभिन्न मंचों पर प्रस्तुति देंगे।
- अनुभूत मंडपम: स्वर्ग से पृथ्वी पर गंगा के अवतरण की कथा का वर्णन करते हुए 360 डिग्री इमर्सिव अनुभव।
- अविरल शाश्वत कुंभ: भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई), राष्ट्रीय अभिलेखागार (एनएआई) और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) द्वारा डिजिटल प्रदर्श।
- फूड ज़ोन: प्रयागराज के स्थानीय व्यंजनों के अतिरिक्त, सभी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों से सात्विक व्यंजन।
- संस्कृति आंगन: 7 क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों के 98 कारीगरों द्वारा प्रागंणों में पारंपरिक भारतीय हस्तशिल्पों और हथकरघा उत्पादों का प्रदर्श और बिक्री।

दक्षिण क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एसजेडसीसी), तंजावुर संस्कृति मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संगठन है जिसके द्वारा महाकुंभ -2025 में कलाग्राम में प्रस्तुति देने के लिए, कर्नाटक के तीन कला रूपों से संबंधित 45 कलाकारों को और स्टॉलों के लिए 06 कारीगरों को शामिल किया गया है।

(ख): महाकुंभ-2025 में कलाग्राम की स्थापना उत्तर प्रदेश सरकार के अनुरोध पर की गई है। तथापि, 2019 के कुंभ मेले के दौरान भी छोटे पैमाने पर एक कलाग्राम की स्थापना की गई थी।

(ग) और (घ): व्यक्तिगत रूप से उपस्थित न हो पाने वाले दर्शकों तक इन अनुभवों को पहुंचाने हेतु, संस्कृति मंत्रालय एनसीजेडसीसी, प्रयागराज के साथ मिलकर यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि जैसे अपने विभिन्न सोशल मीडिया हैंडलों पर यह सामग्री अपलोड कर रहा है।

(ङ): उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एनसीजेडसीसी), प्रयागराज और दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एससीजेडसीसी), नागपुर, सीधी (मध्य प्रदेश) सहित अपने सदस्य राज्यों में विभिन्न स्थानों पर अपनी कार्यक्रम समितियों द्वारा निर्धारित अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं।

संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत स्वायत्त संगठन, संगीत नाटक अकादमी ने सीधी के दो प्रमुख नाट्य समूहों अर्थात रंगदूत और इंद्रावती नाट्य समिति को भोपाल और लखनऊ में आयोजित अमृत युवा कलोत्सव में प्रस्तुतीकरण के लिए आमंत्रित किया।

एससीजेडसीसी, नागपुर द्वारा शिल्पग्राम, खजुराहो (मध्य प्रदेश) में एकलव्य-बघेली रंगमंच की नाट्य प्रस्तुति के आयोजन के दौरान इंद्रावती नाट्य समिति, सीधी (मध्य प्रदेश) के कलाकारों को भी आमंत्रित किया गया था।

****